शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
Directorate of Education, GNCT of Delhi
अभ्यास प्रश्न पत्र
Practice Paper
सत्र II
Term II
कक्षा X
Class X
सामाजिक विज्ञान कोड 087
Social Science – Code 087

Time Allowed: 2 Hours **Maximum Marks 40**

सामान्य निर्देशः

i. यह प्रश्न पत्र पाँच खण्डों में विभाजित है– खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग, खण्ड घ एवं खण्ड ड. । इस प्रश्न पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं।
ii. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, यद्यपि कुछ प्रश्नों में आंतरिक चयन उपलब्ध है। उनमें में से किसी एक प्रश्न को ही करें।
iii. प्रश्नों के सामने उनके निर्धारित अंक लिखे हुए हैं।
iv. खण्ड क (प्रश्न संख्या 1 से 5 तक) में 2 अंक वाले अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
v. खण्ड ख (प्रश्न संख्या 6 से 8) में, 3 अंक वाले अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
vi. खण्ड ग (प्रश्न संख्या 9 एवं 10) में, 5 अंक वाले अति दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
vii. खण्ड घ (प्रश्न संख्या 11 एवं 12) में, स्रोत आधारित प्रश्न हैं।
viii. खण्ड ड. (प्रश्न संख्या 13) में एक मानचित्र आधारित प्रश्न (3 अंकों का) है। इसके दो भाग–13.1 इतिहास (1 अंक) और 13.2 भूगोल (2 अंक) हैं।
ix. मानचित्र आधारित प्रश्न संख्या 13 के स्थान पर **दृष्टिबाधित विद्यार्थियों** के लिए अलग से प्रश्न दिए गए हैं।

General Instructions:

i. The question paper is divided into five sections- Section A, Section B, Section C ,Section D and Section E. The question paper has 13 questions in all.
ii. All questions are compulsory, however internal choices are given in some questions. Attempt any one of them.
iii. Marks are indicated against each question.
iv. Section A: Questions from serial number 1 to 5 are very short answer type questions of 2 marks each. Answer of these questions should not exceed 40 words each.
v. Section B: Questions from serial number 6 to 8 are short answer type questions of 3 marks each. Answer of these questions should not exceed 80 words each.
vi. Section C: Questions from serial number 9 and 10 are long answer type questions of 5 marks each. Answer of these questions should not exceed 120 words each.
vii. Questions from serial number 11 and 12 are source based question, carrying of 4 marks each.
viii. Question number 13 is a map based question of 3 marks with two parts-13.1 from history (1 mark) and 13.2 from Geography (2 marks)
ix. Separate questions are given for **visually impaired student only** in lieu of map based question no.13.

खण्ड क

2X5=10

Section A

1 सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख कीजिए। 2

Mention the role of women in the Civil Disobedience movement.

2 'रसायन उद्योग के महत्व की विवेचना कीजिए। 2

Analyze the importance of Chemical Industries.

3 भारत में राजनीतिक दलों में सुधार हेतू कोई दो उपाय बताइए। 2

Suggest any two measures of reform in the political Parties in India.

4 मिलान कीजिए: 2

	स्तंभ क		स्तंभ ख
1	बैंक द्वारा दिया गया ऋण	A	अनौपचारिक स्रोत
2	वस्तु के बदले वस्तु का लेन – देन	B	औपचारिक स्रोत
		C	वस्तु विनिमय

Match the following:

	Column A		Column B
1	Loan provided by the Bank	A	Informal Source
2	Exchange of Goods	B	Formal Source
		C	Barter System

5 सीमांत सड़कों का महत्व लिखिए। 2

Write the importance of Border roads.

खण्ड ख

3X3=9

Section B

6 वैश्वीकरण के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 3

अथवा

वैश्वीकरण को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिए।

Explain the positive impacts of Globalisation on Indian economy with example.

OR

Define the term Globalisation in your own words.

7 'भारत में ब्रिटिश साम्राज्य भारतीयों के सहयोग से ही स्थापित हुआ था और यह शासन इसी सहयोग के कारण चल पा रहा है। अगर भारत के लोग अपना सहयोग वापस ले लें 3

तो ब्रिटिश शासन ढ़ह जाएगा।' इस कथन के आलोक में असहयोग आंदोलन के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

'British rule was established in India with the cooperation of Indians, and had survived only because of this cooperation, If Indians refused to cooperate, British rule in India would collapse.' Analyze the causes of the Non - Cooperation Movement with reference to this statement.

8 'लोकतंत्र आर्थिक असमानताओं को कम करने में सफल नहीं रहा है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? न्यायोचित ठहराइए। 3

'Democracy has not been able to reduce economic inequalities.' Do you agree with this statement? Justify.

खण्ड ग

5X2=10

Section C

9 'राजनीतिक दलों का उदय प्रतिनिधित्व पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के उभार के साथ जुड़ा है।' क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए। 5

अथवा

'वर्तमान में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

The rise of political parties is directly linked to the emergence of representative democracies. Do you agree? Give arguments in support of your answer.

OR

What are the challenges being faced by Political parties nowadays?

10 'बैंकों एवं सहकारी समितियों को भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में साख की गतिविधियों को बढ़ाने की आवश्यकता है'। उचित तर्कों के साथ कथन की व्याख्या कीजिए। 5

अथवा

भारत की अधिकांश जनता अभी भी ऋण के लिए अनौपचारिक स्रोतों पर ही क्यों निर्भर हैं?

Banks and co-operative societies need to increase their lending in rural areas. Explain this statement with appropriate arguments.

OR

Why are most of the people in India still dependent on informal sector of credit for loan?

खण्ड घ

4X2=8

Section D

11 नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

'1928 में जब साइमन कमीशन भारत पहुंचा तो उसका स्वागत 'साइमन वापस जाओ' के नारे से किया गया। कांग्रेस और मुस्लिम लीग समेत सभी पार्टियों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इस विरोध को शांत करने के लिए वायसराय लॉर्ड इरविन ने अक्टूबर 1929 में भारत के लिए 'डोमिनियन स्टेटस' का गोलमोल सा ऐलान कर दिया। उन्होंने इस बारे में कोई समय सीमा भी नहीं बताई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि भावी संविधान के बारे में चर्चा करने के लिए गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस प्रस्ताव से कांग्रेस के नेता संतुष्ट नहीं थे। जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में कांग्रेस का तेज-तर्रार खेमा आक्रमक तेवर अपनाने लगा था। उदारवादी और मध्यममार्गी नेता ब्रिटिश डोमिनियन के भीतर ही संवैधानिक व्यवस्था के पक्ष में थे। लेकिन इस खेमे का प्रभाव घटता जा रहा था। दिसंबर 1929 में जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' की मांग को औपचारिक रूप से मान लिया गया। तय किया गया कि 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रुप में मनाया जाएगा और उस दिन लोग पूर्ण स्वराज के लिए संघर्ष की शपथ लेंगे। इस उत्सव की ओर बहुत कम ही लोगों ने ध्यान दिया। अब स्वतंत्रता के इस अमूर्त विचार को रोजमर्रा की जिंदगी के ठोस मुद्दों से जोड़ने के लिए महात्मा गांधी को कोई और रास्ता ढूंढना था।'

11.1 डोमिनियन स्टेटस क्या था? 1

11.2 गोलमेज सम्मेलन क्यों आयोजित किया गया? 1

11.3 1929 में कांग्रेस के लाहौर में हुए अधिवेशन का महत्व बताइए। 2

Read the source and Answer the following questions.

'When the Simon Commission arrived in India in 1928, it was greeted with the slogan 'Go back Simon'. All parties, including the Congress and the Muslim League, participated in the demonstrations. In an effort to win them over, the viceroy, Lord Irwin, announced in October 1929, a vague offer of 'dominion status' for India in an unspecified future, and a Round Table Conference to discuss a future constitution. This did not satisfy the Congress leaders. The radicals within the Congress, led by Jawaharlal Nehru and Subhas Chandra Bose, became more assertive. The liberals and moderates, who were proposing a constitutional system within the framework of British dominion, gradually lost their influence. In December 1929, under the presidency of Jawaharlal Nehru, the Lahore Congress formalised the demand of 'Purna Swaraj' or full independence for India. It was declared that 26 January 1930, would be celebrated as the Independence Day when people were to take a pledge to struggle for complete independence. But the celebrations attracted very little attention.

So Mahatma Gandhi had to find a way to relate this abstract idea of freedom to more concrete issues of everyday life.'

11.1 What was Dominion Status? 1

11.2 Why was Round Table Conference organised? 1

11.3 Explain the importance of Lahore Congress session organised in 1929. 2

12 नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

'भारत की 7516.6 किलोमीटर लंबी समुद्री तट रेखा के साथ 12 प्रमुख तथा 200 मध्यम वर्ग छोटे पत्तन हैं । यह प्रमुख पतन देश का 95% विदेशी व्यापार संचालित करते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कच्छ में कांडला पत्तन पहले पत्तन के रूप में विकसित किया गया। ऐसा देश विभाजन से कराची पत्तन की कमी को पूरा करने तथा मुंबई से होने वाले व्यापारिक दबाव को कम करने के लिए था। कांडला जिसे दीनदयाल पत्तन के नाम से भी जाना जाता है, एक ज्वारीय पत्तन है। यह जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के औद्योगिक तथा खाद्यान्नों की आयात-निर्यात को संचालित करता है। मुंबई वृहद पत्तन है जिसके प्राकृतिक खुले विस्तृत व सुचारू पोताश्रय हैं। मुंबई पत्तन की अधिक परिवहन को ध्यान में रखकर इसके सामने जवाहरलाल नेहरू पत्तन विकसित किया गया जो इस पूरे क्षेत्र को एक समूह पत्तन की सुविधा भी प्रदान कर सके।'

12.1 कांडला पत्तन को क्यों विकसित किया गया? 1

12.2 जवाहर लाल नेहरू पत्तन को क्यों विकसित किया गया? 1

12.3 पत्तन देश के विकास में किस प्रकार योगदान देते हैं? 2

Read the extracts and Answer the following questions.

'With a long coastline of 7,516.6 km, India is dotted with 12 major and 200, notified non majors (minor/intermediate) ports. These major ports handle 95 per cent of India's foreign trade. Kandla in Kuchchh was the first port developed soon after Independence to ease the volume of trade on the Mumbai port, in the wake of loss of Karachi port to Pakistan after the Partition. Kandla is a tidal port. It caters to the convenient handling of exports and imports of highly productive granary and industrial belt stretching across the states of Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Rajasthan and Gujarat. Mumbai is the biggest port with a spacious natural and well-sheltered harbour. The Jawaharlal Nehru port was planned with a view to decongest the Mumbai port and serve as a hub port for this region'.

12.1 Why was Kandla port developed? 1

12.2 Why was Jawahar Lal Nehru port developed? 1

12.3 How are ports important for the development of a country? 2

खण्ड ड. 1X3=03

Section E

13.1 भारत के राजनीतिक मानचित्र में बिन्दु A से एक स्थान अंकित किया गया है। इस बिन्दु को निम्नलिखित जानकारी की सहायता से पहचानिए और उसका सही नाम मानचित्र पर खीचीं गयी रेखा पर लिखिए। 1

A. वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी ने कृषक सत्याग्रह आरंभ किया।

On the given outline political map of India, identify the place marked as A with the help of following information and write its correct name on the line marked near it.

A. The place where Mahatma Gandhi started Peasant Satyagraha.

13.2 भारत के उसी राजनीतिक रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को उपयुक्त चिन्हों से दर्शाइए और नाम लिखिए– 2

A. कोच्ची पत्तन

अथवा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन

B. कलपक्कम आण्विक संयंत्र

Locate and label the following with appropriate symbols on the same outline political map of India.

A. Kochi Port

OR

Netaji Subhash Chandra Bose International Airport

B. Kalpakkam Nuclear Plant

निम्नलिखित प्रश्न, प्रश्न संख्या 13.1 के स्थान पर केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए है।

A. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गाँधी ने कृषक सत्याग्रह आरंभ किया।

Following questions are only for **visually impaired students** in lieu of question number 13.1.

A. Name the place where Mahatma Gandhi started Peasant Satyagraha.

निम्नलिखित प्रश्न, प्रश्न संख्या 13.2 के स्थान पर केवल **दृष्टिबाधित विद्यार्थियों** के लिए है।(कोई दो कीजिए)

i. उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ कलपक्कम आण्विक संयंत्र स्थित है।
ii. उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन स्थित है।
iii. उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ कोच्ची पत्तन स्थित है।

Following questions are only for **visually impaired students** in lieu of question number 13.2. **(Attempt any Two)**
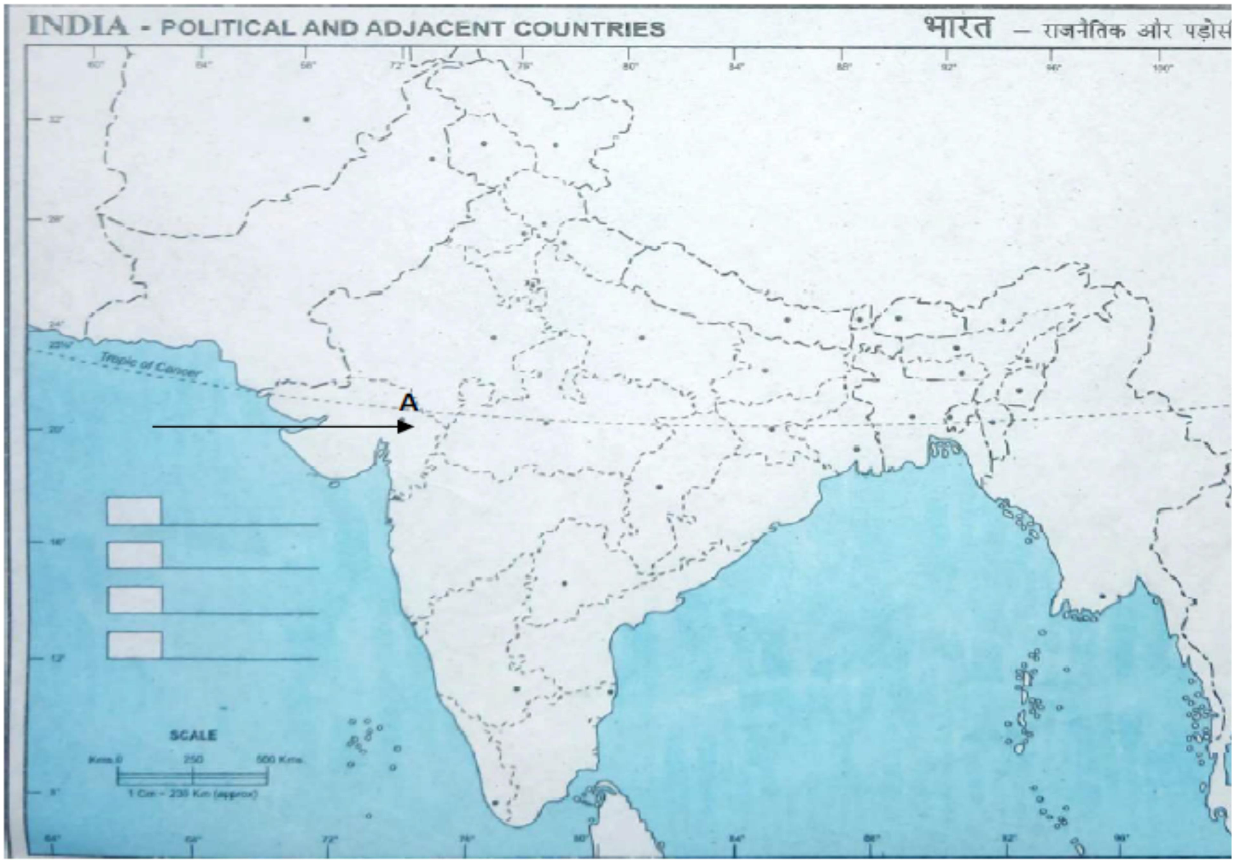
i. Name the state where Kalpakkam Nuclear Plant is located.
ii. Name the state where Netaji Subhash Chandra Bose International Airport is located.
iii. Name the state where Kochi Port is located.